भारत सरकार

संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2435

उत्तर देने की तारीख 04.08.2025

भारत की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत और विविध सांस्कृतिक परंपराएं

2435. श्रीमती भारती पारधी :

श्री ओमप्रकाश भूपालसिंह उर्फ पवन राजेनिंबालकर :

श्री संजय उत्तमराव देशमुख :

श्री श्रीरंग आप्पा चंदू बारणे :

क्या संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) "भारत की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत और विविध सांस्कृतिक परंपराओं की सुरक्षा हेतु योजना" के अंतर्गत इसकी शुरुआत से इसके अंतर्गत, विशेषकर लुप्तप्राय अमूर्त विशिष्ट सांस्कृतिक विरासत की पहचान, प्रलेखन और संवर्धन में क्या प्रगति हुई है;

(ख) उक्त योजना के अंतर्गत औपचारिक रूप से मान्यता और सहायता प्राप्त विशिष्ट अमूर्त सांस्कृतिक विरासतों की संख्या कितनी है तथा इन पहलों का भौगोलिक वितरण क्या है;

(ग) विशेषकर मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में स्थानीय समुदायों और कलाकारों की पारंपरिक कला रूपों और प्रथाओं के संरक्षण और संवर्धन में उन्हें सीधे तौर पर शामिल करने के लिए सरकार की क्या रणनीति है; और

(घ) महाराष्ट्र के लिए लुप्तप्राय सांस्कृतिक विरासत और कला को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे विशेष प्रयासों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री

(गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क): "भारत की अमूर्त विरासत और विविध सांस्कृतिक परंपराओं की सुरक्षा के लिए स्कीम" नामक एक स्कीम वर्ष 2013-2016 के बीच परिचालन में थी। तथापि, संगीत नाटक अकादमी (एसएनए) अमूर्त सांस्कृतिक विरासत (आईसीएच) के बारे में प्रशिक्षण और जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से क्षमता निर्माण कार्यशालाओं का आयोजन करती है।

कार्यशाला में स्थानीय समुदायों, सांस्कृतिक कार्यकर्ताओं, हितधारकों और छात्रों को शामिल किया जाता है। इन पहलों के परिणामस्वरूप, राष्ट्रीय सूची में घटकों को शामिल करने के लिए पूरे भारत से प्राप्त अनुरोधों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। प्रदर्शन कलाओं और अन्य आईसीएच घटकों - विशेष रूप से "कार्य प्रगति पर" सूची का प्रलेखन और डिजिटल संग्रह का कार्य नियमित रूप से किया जा रहा है। ये प्रयास न केवल आईसीएच के डिजिटल परिरक्षण में योगदान करते हैं, अपितु इन क्षेत्रों में उच्च अध्ययन करने वाले छात्रों और शोधकर्ताओं को भी सहायता प्रदान करते हैं। इसके अतिरिक्त, विभिन्न आईसीएच घटकों के बारे में जागरूकता बढ़ाने और उन्हें बढ़ावा देने के लिए कलाकारों को पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं। अकादमी अपने व्यापक प्रकाशन कार्यक्रम, जिसमें पत्रिकाएँ, पुस्तकें और मोनोग्राफ शामिल हैं, के माध्यम से भारतीय प्रदर्शन कलाओं और आईसीएच घटकों की अकादमिक और सार्वजनिक बोध दोनों में योगदान देती है।

(ख): आज की तिथि तक राष्ट्रीय सूची में अंकित घटकों का विवरण अनुलग्नक में संलग्न है।

(ग): मंत्रालय संगीत नाटक अकादमी (एसएनए) के माध्यम से स्थानीय समुदायों, सिविल सोसाइटी संगठनों और अन्य हितधारकों के अनुरोधों और प्रस्तुतियों के आधार पर अमूर्त सांस्कृतिक विरासत (आईसीएच) घटकों की राष्ट्रीय सूची और "कार्य-प्रगति पर" सूची, दोनों का रखरखाव करता है। इन घटकों को शामिल करने से संबंधित कला रूपों के परिरक्षण और प्रसार दोनों को बढ़ाने में मदद मिलती है। वर्तमान में, दोनों राज्यों से कुल छह घटकों को राष्ट्रीय सूची में शामिल किया गया है। अधिक जानकारी के लिए, कृपया https://www.sangeetnatak.gov.in/sections/ICH देखें।

एसएनए विभिन्न क्षमता-निर्माण कार्यशालाएँ और प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित करता है जिनमें स्थानीय समुदायों और कलाकारों की सक्रिय भागीदारी होती है। इसके अलावा, कलाकारों को विशिष्ट कला रूपों में उनके योगदान के लिए पुरस्कार प्रदान करके, एसएनए सामुदायिक भागीदारी को प्रोत्साहित करता है और उनकी सांस्कृतिक विरासत की पहचान को बढ़ावा देता है।

(घ:) पंढरपुर वारी और दशावतार: राष्ट्रीय सूची में शामिल पारंपरिक लोक नाट्य, जिसकी देखरेख इस मंत्रालय के अंतर्गत एसएनए द्वारा की जाती है, महाराष्ट्र की प्रदर्शन कलाओं को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इन परंपराओं का प्रलेखन और अभिलेखीकरण व्यापक पहुँच बनाने और इन कला रूपों के अध्ययन में रुचि रखने वालों के लिए मूल्यवान संसाधन के रूप में मदद करता है। इसके अतिरिक्त, इन घटकों पर पत्रिकाओं और अन्य सामग्रियों का प्रकाशन लुप्तप्राय सांस्कृतिक प्रथाओं के परिरक्षण और संवर्धन में योगदान देता है। इसके अलावा, विभिन्न कार्यशालाओं और संगोष्ठियों के दौरान आयोजित प्रदर्शन इन परंपराओं के प्रति जन जागरूकता और बोधगम्यता बढ़ाते हैं।

*****

अनुलग्नक

'भारत की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत और विविध सांस्कृतिक परंपराएं' के संबंध में दिनांक 04 अगस्त, 2025 को पूछे गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 2435 के भाग (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

क्र.सं.	तत्व	राज्य/क्षेत्र
1	कुटियाट्टम, संस्कृत रंगमंच	केरल
2	रामलीला - रामायण का पारंपरिक प्रदर्शन	उत्तर प्रदेश
3	नोवरूज़, नौरोज़, नूरूज़, नवरूज़, नौरोज़, नेव्रूज़	बहुराष्ट्रीय नामांकन
4	रम्माण: धार्मिक उत्सव और अनुष्ठान रंगमंच	उत्तराखंड
5	छऊ नृत्य	झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल
6	कालबेलिया: लोक गीत और नृत्य	राजस्थान
7	मुदियेट्टु: अनुष्ठान रंगमंच और नृत्य नाटक	केरल
8	लद्दाख में बौद्ध मंत्रोच्चार	लद्दाख
9	संकीर्तन: अनुष्ठानिक गायन, ढोल वादन और नृत्य	मणिपुर
10	जंडियाला गुरु के ठठेरे	पंजाब
11	योग	अखिल भारतीय (भारत द्वारा अंकित)
12	सोवा रिग्पा	लद्दाख, हिमाचल प्रदेश
13	कोलम	तमिलनाडु
14	संगीत और वीणा का ज्ञान	तमिलनाडु, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश (विशेष रूप से दक्षिण भारत)
15	चार बेत	उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान
16	चेट्टीकुलंगारा कुम्भा भरणी केट्टुकाझाचा	केरल
17	भारत की छाया कठपुतली रंगमंच परंपराएँ	केरल, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक, ओडिशा
18	सत्रिया संगीत, नृत्य और रंगमंच	असम
19	पटोला: डबल इकत रेशम कपड़ा	गुजरात
20	सिक्किम के लामा नृत्य	सिक्किम
21	पगड़ी बांधना	राजस्थान
22	कलमकारी पेंटिंग	आंध्र प्रदेश, तेलंगाना
23	राठवा नी घेर	गुजरात
24	संखेड़ा नु लाख काम	गुजरात
25	कव्वाली	दिल्ली, उत्तर प्रदेश, अखिल

		भारतीय
26	जंगम गायन	हरियाणा
27	कोलकाता में दुर्गा पूजा	पश्चिम बंगाल
28	हिंगान	राजस्थान
29	फड़: स्क्रॉल पेंटिंग और उनका वर्णन	राजस्थान
30	नौटंकी	उत्तर प्रदेश
31	रणमाले	गोवा
32	गद्दी जातर	हिमाचल प्रदेश
33	सलहेश का त्योहार	बिहार
34	नाचा: लोक रंगमंच	छत्तीसगढ
35	दशावतार: पारंपरिक लोक रंगमंच	महाराष्ट्र, गोवा
36	कुंभ मेला	उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र
37	वैदिक मंत्रोच्चार की परंपरा	अखिल भारतीय (विशेष रूप से केरल, महाराष्ट्र, कर्नाटक)
38	गरबा	गुजरात
39	दीपावली	अखिल भारतीय (तमिलनाडु, कर्नाटक आदि पर ध्यान केंद्रित)
40	रंगपंचमी का उत्सव	मध्य प्रदेश
41	लोसर महोत्सव	लद्दाख
42	मेघालय की सीटी भाषा	मेघालय
43	अरनमुला धातु दर्पण, वल्लासाद्य, वल्लमकली	केरल
44	बाली जात्रा	ओडिशा
45	छठ पूजा	बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड
46	मेहंदी	बहुराष्ट्रीय नामांकन
47	भगोरिया आदिवासी नृत्य	मध्य प्रदेश
48	गोंड आदिवासी चित्रकला	मध्य प्रदेश
49	लाई हराओबा	मणिपुर
50	महाभारत कूथु महोत्सव	तमिलनाडु
51	नर्मदा परिक्रमा	मध्य प्रदेश
52	पंढरपुर वारी	महाराष्ट्र
53	रथ यात्रा, पुरी	ओडिशा

******